वार्षिक रिपोर्ट 2011-2012
Annual Report 2011-2012

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया

सौ वर्षों के अटूट विश्वास के साथ हम हैं गतिमान...
सघन संगठित सत्प्रयासों के सुनिश्चित हैं सुपरिणाम !

Central Bank of India

Moving ahead on a century of trust...
Consolidation leads to performance !

सेन्ट सहयोग
Cent Sahayog

कृषि ऋण
Agricultural Loans

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India

1911 से आपके लिए ''केंद्रित'' "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

सफलता के सोपान

'लोगो' किसी भी संगठन के वैशिष्ट्य को समाहित करता है और बाहरी दुनिया के समक्ष इसे प्रतिबिम्बित करता है. उभरती भारतीय अर्थव्यवस्था के परिवर्तित प्रतिमानों के परिप्रेक्ष्य में, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का समग्र स्वरूप भी वर्ष-दर-वर्ष रूपांतरित होता रहा है, जो समय के साथ सामंजस्य बनाये रखने की इसकी क्षमता का सूचक है.

The logo captures the personality of an organization and projects it to the outside world. In keeping with the shifting paradigms and the evolving Indian Economy, Central Bank of India's personality has also morphed through the years to represent the Bank's ability to keep up with the times.

THE MARK OF SUCCESS

1911

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया बिल्डिंग का शानदार बाह्य स्वरूप दर्शाने वाला यह 'लोगो' विश्वसनीयता और मजबूती को चित्रित करता है.

Logo in the form of magnificent Central Bank of India building structure depicted dependability and solidity.

1956

बैंक की पहचान दर्शाने वाले आद्याक्षरों को चित्रित करने के लिए 'लोगो' को संशोधित किया गया.

Logo was revised to depict its initials identifiable with the Bank

1973

'लोगो' को नया बनाया गया, जिससे और अधिक कॉर्पोरेट एवं सम-सामायिक छवि प्रस्तुत की जा सके.

Logo was given a make-over to give it a more corporate and contemporay look.

1982

'लोगो' में पट्टियों सहित चार वर्ग व्यक्ति, वित्त, उद्योग एवं राष्ट्र के बीच परस्पर प्रभावी अंतर्सम्बंधों को उजागर करते हुए बैंक द्वारा प्रदत्त सेवाओं तथा देश की अर्थव्यवस्था में उसकी भूमिका को प्रतिबिंबित करता है.

The four Squares in the logo with bars that represent the Man, Finance, Industry and Nation evolving their two way effective interrelationship reflects the services rendered by the bank and its role in the economy.

विषय-सूची/Contents

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश 2
निदेशक मंडल / Board of Directors 4
नोटिस 5
निदेशक रिपोर्ट 2011-12 7
प्रबंधतंत्र विचार-विमर्श तथा विश्लेषण 11
कॉर्पोरेट गवर्नेंस 35
भारत के राष्ट्रपति को लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट 51
दिनांक 31 मार्च, 2012 का तुलन पत्र 52
दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता 53
तुलन पत्र की अनुसूचियां 54
लाभ एवं हानि खाते की अनुसूचियां 59
मुख्य लेखांकन नीतियां 60
लेखों से सम्बंधित टिप्पणियां 63
दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण 82
दिनांक 31 मार्च, 2012 का समेकित तुलन पत्र 98
प्रॉक्सी फॉर्म 121
उपस्थिति पर्ची, प्रवेश पत्र 122
Chairman & Managing Director's Message 124
Notice 126
Directors' Report 2011-2012 129
Management Discussion and Analysis 133
Corporate Governance 157
Auditors' Report to the President of India 173
Balance Sheet as on 31st March, 2012 174
Profit & Loss Account for the year ended 31st March, 2012 175
Schedules to Balance Sheet 176
Schedules to Profit & Loss Account 181
Principal Accounting Policies 182
Notes Forming Part of the Accounts 185
Cash Flow Statement for the year ended March 31, 2012 204
Consolidated Balance Sheet as on March 31, 2012 220
Proxy Form 243
Attendance form, Entry Form 244

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय शेयरहोल्डर,
यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया है.

सबसे पहले, मैं आपको इस बात की बधाई देता हूं कि आपके इस महान बैंक ने हमारे महान देश के हर तबके के लोगों की बड़ी तन्मयतापूर्वक सेवा करते हुए अपने कार्यकाल के 100 वर्ष पूरे किये हैं. बैंक ने पूरे देश में स्थित अपने सभी कार्यालयों एवं शाखाओं के माध्यम से शताब्दी महोत्सव मनाया है. शताब्दी वर्ष के दौरान, देश की राजधानी, नई दिल्ली और आर्थिक राजधानी, मुंबई में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. दिल्ली में दिनांक 21 दिसम्बर, 2011 को आयोजित कार्यक्रम में श्री प्रणब मुखर्जी, माननीय वित्त मंत्री, भारत सरकार, श्री नमो नारायण मीणा, वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री डी.के.मित्तल (आईएएस), सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की गरिमामय उपस्थिति रही. इस अवसर पर निम्न अभिनव पहल की गई :

- 100 शाखाओं का शुभारंभ.
- बैंक की "इतिहास पुस्तिका" का विमोचन.
- वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केन्द्र, कोटा का उदघाटन.
- "गेटवे टू प्राइम मिनिस्टर रिलीफ फंड" वेबसाइट का शुभारंभ.
- अपने जीवन के 8 से अधिक दशकों का पड़ाव सफलतापूर्वक पार कर चुके हमारे सदाबहार ग्राहकों का सत्कार.

मुंबई में भी दिनांक 26 दिसम्बर, 2011 को एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री, श्री पृथ्वीराज चव्हाण थे. इस समारोह के दौरान उनके करकमलों से 100वें एटीएम का उदघाटन, बैंक की गुमनाम प्रतिभाओं एवं सांगवी मोहाडी गांव के ग्राम प्रधान का सत्कार किया गया. इस अवसर पर प्रतिष्ठित वीआईपी ग्राहकों एवं पूर्व शीर्ष कार्यपालकों को भी सम्मानित किया गया. इन समारोहों के आयोजन का सुपरिणाम यह रहा कि हम अपनी इस महान संस्था की ब्रांड निर्मिति के प्रयोजन में सफल रहे. अब आपका बैंक, देश में एक सर्वोत्कृष्ट बैंकिंग ब्रैंड होने का दावा कर सकता है.

बीते हुए वर्ष के दौरान वैश्विक एवं हमारे देश के आर्थिक एवं राजनैतिक पटल पर कई प्रतिकूल घटनाएं घटित हुईं जैसे, भुगतान संतुलन एवं कच्चे तेल के मूल्य में प्रतिकूलता, यूएस डॉलर के समक्ष रुपए का अवमूल्यन, जीडीपी वृद्धि दर में लगातार गिरावट, मुद्रास्फीति - किसी भी पहलू से इन पर गौर करें तो स्थिति चुनौतीपूर्ण ही थी. इन तमाम प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, आपके बैंक ने परिचालन लाभ के क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि दर्शाई है, हालांकि जमा एवं अग्रिमों के अंतर्गत वृद्धि दर सामान्य रही. संसाधनों पर ब्याज दर में हुई वृद्धि भी आय पर मार्जिन में हुई कमी का एक कारण बनी. पण्य वस्तुओं के मूल्य लगातार उच्चस्तरीय बने रहे और इसकी वजह से भारतीय रिज़र्व बैंक को मजबूरन नीतिगत दरों में क्रमिक रूप से वृद्धि करनी पड़ी. यूरो ज़ोन लगातार कमजोर होता रहा और संभवत: वह अपने सर्वाधिक कमजोर स्तर तक पहुंच गया.

मुद्रास्फीति में जबरदस्त वृद्धि और मूल मुद्रास्फीति (कोर इन्फ्लेशन) ने अर्थव्यवस्था की विकास प्रक्रिया को और अधिक क्षति पहुंचाई. भारतीय रिज़र्व बैंक के मुद्रास्फीति प्रतिरोधी उपायों ने वित्तीय वर्ष के दौरान अधिकांश समय नीतिगत दरों को कम करने की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी. पिछले वर्ष के दौरान 5.4% की वृद्धि के साथ कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियों के अंतर्गत रेकॉर्ड खाद्यान्न की पैदावार के बावजूद, आपूर्ति एवं भंडारण संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों की वजह से महंगाई को रोका नहीं जा सका. पूरे वर्ष के दौरान औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि बहुत कम रही. सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) प्रोजेक्शन को क्रमिक रूप से घटाते हुए 6.9% के स्तर पर लाया गया, जबकि वर्ष 2010-11 के दौरान वृद्धि दर 8.6% थी.

आपके बैंक ने ₹ 3,46,898 करोड़ का कुल व्यवसाय अर्जित किया. बैंक ने अपनी कार्यनीतियों में बदलाव लाते हुए स्पष्ट रूप से रिटेल व्यवसाय को प्राथमिकता दी. उच्च लागत की जमाओं (अर्थात कार्ड रेट से ऊपर) एवं जमा प्रमाणपत्र को जून, 2011 के स्तर तक ही प्रतिबंधित रखा गया. लागत प्रबंधन के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया. रिटेल ऋण वृद्धि को अधिक महत्व दिया गया. जिस बैंक की 4000 शाखाओं से अधिक शाखाएं हैं, उसे रिटेल बैंक होना ही चाहिए. हमारी कार्यनीतियों के परिणाम आने लगे हैं और हम आगामी वित्तीय वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाएंगे.

वर्ष 2010-11 में बैंक की निधि लागत 5.82% थी, जो वर्ष 2011-12 में बढ़ कर 7.28% तक पहुंच गई. यह बढ़ोतरी कमोबेश बैंकिंग उद्योग में परिलक्षित बढ़ोतरी के आसपास थी. तथापि, निधि लागत में तीव्र वृद्धि के बावजूद शुद्ध ब्याज आय में मात्र मामूली कमी दर्ज हुई और यह ₹ 5326 करोड़ से घट कर ₹ 5169 करोड़ के स्तर तक पहुंच गई. एनपीए में अतिरिक्त स्लिपेज के मद्देनजर किये गए ₹ 403 करोड़ के ब्याज रिवर्सल के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई.

आपके बैंक का परिचालन लाभ वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 8.65% की वृद्धि दर्ज करते हुए, ₹ 2591 करोड़ से बढ़ कर ₹ 2815 करोड़ हो गया. तथापि, एनपीए एवं पुनर्गठित खातों में किये गए उच्च प्रावधान की वजह से, शुद्ध लाभ ₹ 1252 करोड़ से घट कर ₹ 533 करोड़ तक पहुंच गया. इसका मुख्य कारण 100%सिस्टम जनित एनपीए और डिस्कॉम्स एवं वैमानिकी (एविएशन) क्षेत्र में हमारा उच्चस्तरीय एक्स्पोजर था. क्षेत्र में औद्योगिक एवं वित्तीय बाजार क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली आर्थिक स्थितियों की भयावहता ने न केवल आपके बैंक को, बल्कि देश के सभी बैंकों को बुरी तरह से प्रभावित किया है. वर्ष के दौरान कुल ₹ 2685 करोड़ का प्रावधान एवं ब्याज-प्रतिलेखन किया गया.

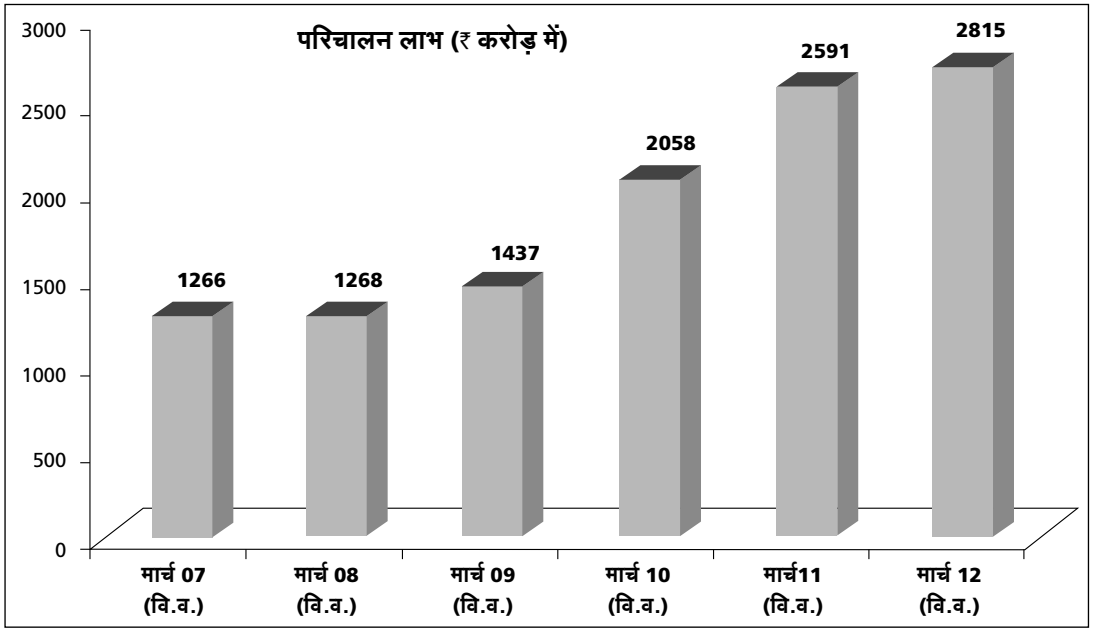

देश के सर्वाधिक बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक बैंक अर्थात सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया का नेतृत्व करते हुए, मैं गौरवान्वित महसूस करता हूं. मुझे इस बात की खुशी है कि मैं जब इस महान संस्था से जुड़ा, तब वह अपना शताब्दी महोत्सव मना रही थी. इस तथ्य के बावजूद कि वित्तीय परिणाम बहुत ही मामूली रहे हैं, इस संस्था में कई गुणात्मक बेहतरी परिलक्षित हुई है. देश के पूरे भूभाग में 4011 शाखाओं का फैला हुआ नेटवर्क और 35000 से अधिक लोगों का कार्यबल आपके बैंक को आगामी वर्ष में एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा. बैंक के सभी स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्यवर्धन के मूल लक्ष्य के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आगामी वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न वित्तीय पैरामीटरों का आकलन किया गया है. आपके द्वारा दिये गए निर्बाध समर्थन के लिए मैं आपके प्रति तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं.

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

मोहन वी. टांकसाले

स्थान : मुंबई
दिनांक : 24 मई, 2012

निदेशक मंडल

श्री मोहन वी. टांकसाले
श्रीमती वी. आर. अय्यर
श्री आर. के. दुबे
श्री आलोक टण्डन
श्री सलीम गंगाधरन
श्री रोमेश सभरवाल
मेजर (सेवानिवृत्त) वेद प्रकाश
श्री गुमान सिंह
प्रो. एन. बालकृष्णन
श्री बृजलाल क्षत्रिय
श्री बी. एस. रामबाबू

BOARD OF DIRECTORS

SHRI M. V. TANKSALE
SMT. V. R. IYER
SHRI R.K. DUBEY
SHRI ALOK TANDON
SHRI SALIM GANGADHARAN
SHRI ROMESH SABHARWAL
MAJOR (RETD.) VED PRAKASH
SHRI GUMAN SINGH
PROF. N. BALAKRISHNAN
SHRI BRIJLAL KSHATRIYA
SHRI B. S. RAMBABU

लेखा परीक्षक

मे. सागर एण्ड असोशिएट्स
मे. जी. एस. ए. एण्ड असोशिएट्स
मे. डी. रंगास्वामी एण्ड कंपनी
मे. के. एस. अय्यर एण्ड कंपनी
मे. घिया एण्ड कंपनी
मे. सैमसंद एण्ड असोशिएट्स

AUDITORS

M/s Sagar & Associates
M/s G. S. A. & Associates
M/s D. Rangaswamy & Co.
M/s K. S. Aiyar & Co.
M/s Ghiya & Co.
M/s Samsand & Associates

रजिस्ट्रार एण्ड शेयर ट्रांसफर एजेन्ट्स

लिंक इनटाइम इंडिया प्रा. लि.
सी-13, पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउन्ड
लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडुप (पश्चिम),
मुम्बई - 400 078
टेलीफोन नंबर : 022-25946970
फैक्स नंबर : 022-25946969
ई-मेल : rnt.helpdesk@linkintime.co.in

REGISTRAR AND SHARE TRANSFER AGENTS

Link Intime India Pvt. Ltd.
C-13, Pannalal Silk Mills Compound
LBS Marg, Bhandup (West)
Mumbai - 400 078
Tel : 022-25946970
Fax : 022-25946969
Email id : rnt.helpdesk@linkintime.co.in

बैंक के साथ पत्राचार करने के लिए पता

कंपनी सचिव / एजीएम एवं अनुपालन अधिकारी
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
16 वीं मंजिल, चन्दरमुखी,
नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021
सम्पर्क नं. 022-66387818
फैक्स नं.: 022-22835198
ई-मेल आईडी:1) compsec@centralbank.co.in
2) investors@centralbank.co.in

ADDRESS FOR CORRESPONDENCE WITH THE BANK

Company Secretary / AGM and Compliance Officer
Central Bank of India
16th Floor, Chandermukhi,
Nariman Point, Mumbai- 400 021
Contact No. 022-66387818
Fax No. : 022-22835198
Email Id: 1) compsec@centralbank.co.in
2) investors@centralbank.co.in

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

प्रधान कार्यालय, चंदरमुखी, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021

सूचना

एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयरधारकों की पॉचवीं वार्षिक साधारण बैठक बुधवार, दिनांक 27 जून, 2012 को सायं: 4.00 बजे सर सोराबजी पोचखानावाला बैंकर्स प्रशिक्षण महाविद्यालय, कूपर हॉस्पिटल / रिलायंस एनर्जी कार्यालय के पास, जे.वी.पी.डी. स्कीम, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई - 400 056 में निम्नलिखित कारोबार के संपादन हेतु आयोजित की जाएगी.

1. दिनांक 31 मार्च, 2012 का लेखापरीक्षित तुलनपत्र, दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ-हानि खाता, लेखों द्वारा आवृत अवधि में बैंकों के कार्यों एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं लेखों तथा तुलनपत्र पर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर चर्चा, अनुमोदन तथा इन्हें स्वीकार करना.
2. वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए लाभांश की घोषणा करना.

निदेशक मंडल के आदेश से

स्थान: मुंबई
दिनांक: 08.05.2012

(ए. के. दास)
सहायक महाप्रबंधक-एमबीडी/
कंपनी सचिव

नोट :

1. **प्रॉक्सी की नियुक्ति:**

   बैठक में उपस्थित होने एवं मतदान करने के पात्र शेयरधारक, अपने बदले बैठक में उपस्थित होने एवं मतदान करने हेतु किसी प्रॉक्सी को नियुक्त कर सकते हैं और ऐसे नियुक्त प्रॉक्सी का, बैंक का शेयरधारक होना आवश्यक नहीं है.

   प्रॉक्सी को नियुक्त करने संबंधी लिखत, चन्दरमुखी, नरीमन पॉइंट मुंबई - 400 021 स्थित प्रधान कार्यालय में बैठक की तारीख से कम से कम चार दिन पूर्व अर्थात दिनांक 22 जून , 2012 को सायं. 5.00 बजे या इसके पूर्व जमा की जानी चाहिए.

2. **प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति:**

   बैंक के शेयरधारक किसी कंपनी अथवा निगमित निकाय के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कोई व्यक्ति सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शेयरधारकों की बैठक में उपस्थित होने अथवा मतदान करने हेतु तब तक पात्र नहीं होगा, जब तक कि उस बैठक, जिसमें उसे विधिवत रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त किया गया हो, के अध्यक्ष द्वारा प्रमाणित संकल्प की प्रति चन्दरमुखी, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021 में स्थित बैंक के प्रधान कार्यालय में बैठक की नियत तारीख से कम से कम चार दिन पूर्व अर्थात दिनांक 22 जून, 2012 को सायं. 5.00 बजे या उसके पूर्व तक प्रस्तुत न कर दी जाए.

3. **बैंक के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को किसी शेयरधारक का प्रॉक्सी या प्राधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त नहीं किया जाएगा.**

4. **उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पास:**

   शेयरधारकों की सुविधा के लिए इस सूचना के साथ उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पास संलग्न किया गया है. शेयरधारकों/प्रॉक्सी धारकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि इसमें उपलब्ध कराए गए स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और बैठक स्थल पर इसे सौंप दें. शेयरधारकों के प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधियों को उपस्थिति पर्ची-सह प्रवेश पास में "प्रॉक्सी" अथवा "प्राधिकृत प्रतिनिधि", जैसा भी मामला हो, का उल्लेख करना चाहिए तथा उन्हें, शेयरधारक से अपने हस्ताक्षर सत्यापित करा कर अपनी पहिचान का साक्ष्य साथ में रखना चाहिए.

5. **शेयरधारकों के रजिस्टर का बंद होना :**

   शेयरधारकों के लाभांश की पात्रता तय करने के लिए शेयरधारकों का रजिस्टर एवं शेयर अंतरण बहियां, दिनांक 23 जून, 2012 (शनिवार) से 27 जून, 2012 (बुधवार) (दोनों दिन शामिल है) तक बंद रहेंगी. इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में रखे गए शेयरधारकों को लाभांश का भुगतान शुक्रवार, दिनांक 22 जून, 2012 को डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा के अनुसार एवं उन शेयरधारकों, जिनके पास भौतिक रूप में शेयर है, को लाभांश का भुगतान, बैंक की वार्षिक साधारण बैठक की तारीख को रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची के अनुसार किया जाएगा. लाभांश बैठक की तारीख से एक माह के अंदर प्रेषित किए जाएंगे.

6. **लाभांश अथवा इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस (ईसीएस) के लिए बैंक-अधिदेश:**

   लाभांश के कपटपूर्वक भुगतान से शेयरधारकों को बचाने के लिए, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उस बैंक का नाम, शाखा तथा अपनी खाता संख्या सूचित करें, जिसमें वे लाभांश वारंट को भुनाने हेतु जमा कराना चाहते हैं.

शेयरधारक के नाम सहित इन विवरणों को लाभांश वारंट के चेक वाले हिस्से पर मुद्रित किया जाएगा, ताकि लाभांश किसी अन्य के द्वारा न भुनाया जा सके.

उपर्युक्त विवरण प्रथम / एकल शेयरधारक द्वारा पृष्ठ संख्या अथवा डीपीआईडी नम्बर एवं ग्राहक नं तथा धारित शेयरों की संख्या का उल्लेख करते हुए सीधे रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट / डीपी को दिनांक 22 जून, 2012 को या उसके पूर्व सूचित किया जाए.

यदि शेयरधारक कोई भी संशोधन सूचित नहीं करते हैं तो डीमेट शेयरधारक के मामले में पूर्व में रजिस्ट्रार से प्राप्त बैंक अधिदेश अथवा एनएसडीएल/ सीडीएसएल से किए गए डाउनलोड की दिनांक 22 जून, 2012 की स्थिति के आधार पर लाभांश मुद्रित किया जाएगा. यह उन सभी शेयरधारकों पर लागू होगा, जिन्होंने ईसीएस अधिदेश नहीं दिए हैं.

विनिर्दिष्ट शहरों में रहने वाले ऐसे शेयरधारक, जिनका सेन्ट्रल बैंक की शाखाओं में खाता है, उन्हें बैंक, ईसीएस की सीधी जमा सुविधा प्रदान करता है. ऐसे शेयरधारक लाभांश की जमा प्राप्ति के लिए बैंक अधिदेश प्रणाली के स्थान पर इस सुविधा का उपयोग कर सकते हैं. शेयरधारकों को चाहिए कि वे अपना खाता नंबर और अपने बैंक की शाखा का आईएफएस कोड ईसीएस अधिदेश में दें, ताकि लाभांश उनके विनिर्दिष्ट खाते में अंतरित किया जा सके. जिन चुनिंदा केन्द्रों पर एनईएफटी / एनईसीएस सुविधा उपलब्ध है, वहां उनके माध्यम से भुगतान किया जाएगा.

7. **अदावाकृत लाभांश, यदि कोई है:**

वे शेयरधारक, जिन्होंने पिछले वर्ष अर्थात 2010-2011 से आगे के अपने लाभांश नहीं भुनाए हैं या जिन्हें लाभांश प्राप्त नहीं हुए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे बैंक के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट से डुप्लीकेट लाभांश जारी करने के लिए संपर्क करें.

बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण), अधिनियम 1970 की धारा 10 बी में हुआ संशोधन यह प्रावधान करता है कि अप्रदत्त लाभांश खाते में अंतरण की तारीख से 7 वर्षों की अवधि तक यदि लाभांश की राशि अदत्त अथवा अदावाकृत रहती है तो वह राशि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 सी के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि (आईईपीएफ) में अंतरित कर दी जाएगी और **तत्पश्चात इस भुगतान के संदर्भ में कोई दावा न तो बैंक और न ही आईईपीएफ पर लागू होगा.**

8. **पते एवं लाभांश अधिदेश में परिवर्तन :**

जो शेयरधारक अपने शेयर भौतिक रूप में रखे हुए हैं, उनसे अनुरोध है कि यदि वे लाभांश वारंट में अपने पते, लाभांश अधिदेश तथा बैंक के विवरण, शाखा और बैंक खाता नंबर में कोई परिवर्तन समाविष्ट करना चाहते हैं, तो वे बही बंद होने से पूर्व निम्न पते पर सूचित करें:

लिंक इनटाइम इंडिया प्रा. लि.
यूनिट: सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
सी-13, पन्नालाल सिल्क मिल्स कंपाउंड
एलबीएस मार्ग, भांडुप (पश्चिम),
मुंबई - 400 078
फोन: (022) 25946970
फैक्स: (022) 25946969
ई-मेल: rnt.helpdesk@linkintime.co.in

जिन शेयरधारकों ने अपने शेयर इलेक्ट्रॉनिक स्वरुप में रखे हुए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अपने पते, लाभांश अधिदेश एवं बैंक का विवरण, शाखा और बैंक खाता नंबर में से यदि कोई भी परिवर्तन, लाभांश, वारंट में समाविष्ट करना चाहते है, तो सिर्फ अपने सहभागी डिपॉजिटरी को ही सूचित करें क्योंकि केवल दिनांक 22 जून, 2012 तक डिपॉजिटरी द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर ही लाभांश के भुगतान एवं संवितरण पर विचार किया जाएगा.

9. **शेयरधारकों से अनुरोध:**

शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की संलग्न प्रति अपने साथ लाएं.

निदेशक मंडल के आदेश से

स्थान: मुंबई
दिनांक: 08.05.2012

(ए. के. दास)
सहायक महाप्रबंधक-एमबीडी/
कंपनी सचिव

निदेशक रिपोर्ट 2011-12

सम्माननीय सदस्यगण,

आपके निदेशकों को दिनांक 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के साथ लेखों का लेखा परीक्षित विवरण, लाभ एवं हानि खाते तथा नकद प्रवाह विवरण को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है.

1. कार्य-निष्पादन वैशिष्ट्य

- बैंक का कुल व्यवसाय 11.63 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 36135 करोड़ की वृद्धि के साथ गत वर्ष के ₹ 310763 करोड़ से बढ़कर ₹ 346898 करोड़ हो गया.
- कुल जमाराशियां 9.38 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 16817 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 196173 करोड़ हो गई.
- बैंक का सकल अग्रिम 14.70 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 19318 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 150725 करोड़ हो गया.
- परिचालन लाभ 8.65 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2010-11 के ₹ 2591 से बढ़कर ₹ 2815 करोड़ हो गया.
- शुद्ध लाभ वर्ष 2010-11 के ₹ 1252 करोड़ की तुलना में वर्ष 2011-12 में ₹ 533 करोड़ हुआ.
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात (बेसल-II के अनुसार) पिछले वर्ष के 11.68 प्रतिशत से बढ़कर 12.40 प्रतिशत हो गया.
- नेट वर्थ ₹ 6909.54 करोड़ से बढ़कर ₹ 10550.44 करोड़ हो गई.
- बैंक का सकल एनपीए ₹ 4879 करोड़ की वृद्धि के साथ गत वर्ष के ₹ 2394 करोड़ से बढ़कर ₹ 7273 करोड़ हो गया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए गत वर्ष के 1.82 प्रतिशत से बढ़कर 4.83 प्रतिशत हो गया.
- शुद्ध एनपीए जो पिछले वर्ष ₹ 847 करोड़ था, बढ़कर ₹ 4557 करोड़ हो गया. शुद्ध एनपीए जो गत वर्ष 0.65 प्रतिशत था, बढ़कर 3.09 प्रतिशत हो गया.
- शुद्ध ब्याज मार्जिन वर्ष 2011 के 3.31 प्रतिशत से घटकर 2.78 प्रतिशत हो गया.
- प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय, जो पिछले वर्ष ₹ 835 लाख था, बढ़कर ₹ 862 लाख हो गया.
- प्रति कर्मचारी शुद्ध लाभ मार्च 2011 के ₹ 3.96 लाख से घटकर ₹ 1.51 लाख हो गया.
- प्राथमिकताक्षेत्र के ऋण में 8.76 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज करते हुए, यह ₹ 37469 करोड़ से बढ़कर ₹ 40749 करोड़ हो गए.
- बैंक के कृषि ऋण वर्ष 2010-11 के ₹ 18545 करोड़ से बढ़कर ₹ 18950 करोड़ हो गए.
- माइक्रो क्रेडिट के अंतर्गत (प्रति उधारकर्ता ₹ 50000 तक ऋण), बैंक द्वारा ₹ 216 करोड़ के ऋण प्रदान किए गए.
- समीक्षा वर्ष के दौरान, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों (एमएसई) को ऋण गत वर्ष के ₹ 10999 करोड़ से बढ़कर ₹ 13518 करोड़ हो गए.
- वर्ष के दौरान, 13256 नये स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाए गये, जिसमें से 6797 एसएचजी ऋण संम्बद्ध किए गए.
- वर्ष 2011-12 के दौरान, सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत, बैंक ने 13525 एसजीएसवाय हितग्राहियों, 4137 एसजेएसआरवाय हितग्राहियों एवं 6244 पीएमईजीपी उधारकर्ताओं को वित्तीय सहायता प्रदान की.
- बैंक ने समाज के कमजोर वर्ग के उधारकर्ताओं को ₹ 13214 करोड़ के ऋण प्रदान किए.
- वर्ष के दौरान शैक्षणिक ऋण 32.95 प्रतिशत की वृद्धि के साथ ₹ 2058 करोड़ हो गया.
- बैंक ने देश भर में 46 ग्रामीण स्वरोजगार एवं प्रशिक्षण संस्थानों (आरसेटी) की स्थापना की है.
- बैंक द्वारा प्रायोजित 7क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकें (आरआरबी) हैं, जिनकी 7 राज्यों के 57 जिलों को कवर करती हुई 1806 शाखाएं हैं.
- वित्तीय समावेशन योजना के अंतर्गत 3725 गांवों (2000 से अधिक जनसंख्या वाले) का लक्ष्य आबंटित किया गया था. बैंक ने लक्ष्यांकित दिनांक 31 मार्च, 2012 से काफी पहले अर्थात दिनांक 21 दिसम्बर, 2011 तक ही इन सभी गांवों को कवर कर लिया.
- बैंक का कॉर्पोरेट ऋण 25.61 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 84,995 करोड़ से बढ़ कर ₹ 1,06,758 करोड़ हो गया.
- रिटेल ऋण 39.72 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्ष 2010-11 के ₹ 12,522 करोड़ से बढ़ कर वर्ष 2011-12 में ₹ 17,496 करोड़ हो गया.
- बैंक ने सशस्त्र सेना एवं सहायक बलों के लिए विशेष रूप से नि:शुल्क धन प्रेषण, रियायती ब्याज दरों पर रिटेल ऋण और कस्टमाइज्ड क्रेडिट कार्ड इत्यादि जैसी विशेषताओं युक्त 'सेन्ट परम' नामक वेतन खाता योजना प्रारंभ की.
- वर्ष 2011-12 के दौरान, बैंक ने जीवन बीमा से ₹ 13.53 करोड़ एवं गैर-जीवन बीमा व्यवसाय से ₹ 6.30 करोड़ का कमीशन अर्जित किया.
- भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा हमारे 67क्षेत्रों को बीमाक्षेत्र और 800 शाखाओं को बीमा बैंक के रूप में घोषित किया गया.
- बैंक ने जनरल इन्श्योरेन्स पार्टनर चोला एमएस से टाई-अप कर फैमिली फ्लोटर रूरल हैल्थ इंश्योरेंस योजना की शुरुआत की.
- ट्रैक्टर/कृषि ऋणों के एनपीए खातों में वसूली हेतु "कृषक राहत योजना" नामक नई वसूली योजना प्रारंभ की और वर्ष के दौरान ₹ 15.51 करोड़ की राशि वसूल की गई.
- वर्ष के दौरान देश भर में विभिन्न स्थानों पर 7303 स्थानों पर वसूली शिविर लगाये गए एवं ₹ 745 करोड़ की राशि वसूल की गई.
- दिनांक 31 मार्च, 2012 को बैंक का देश भर में 4011 शाखाओं का नेटवर्क था. वर्ष के दौरान, 283 शाखाएं खोली गईं, जिनमें 121 विस्तार पटलों एवं 5 सेटेलाइट शाखाओं का पूर्ण शाखाओं में परिवर्तन शामिल है.
- दिनांक 31 मार्च, 2012 तक बैंक द्वारा 1682 एटीएम स्थापित किए गए हैं.
- संगठनात्मक पुनर्सरंचना के अतंर्गत, निर्णय लेने की प्रक्रिया को त्वरित बनाना सुनिश्चित करने हेतु क्षेत्रीय प्रबंधकों को और अधिक शक्तियां प्रत्यायोजित की गई हैं तथा कॉर्पोरेट लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आंचलिक प्रबंधक,क्षेत्रीय कार्यालयों के बिजनेस फेसिलिटेटर के तौर पर कार्य करेंगे.

2. आय एवं व्यय

वर्ष 2011-12 की अवधि के लिए आय-व्यय का ब्यौरा निम्नवत है :

		₹ करोड़ में			
		31.03.2012	**31.03.2011**	**कमी/बढ़ोतरी**	**%**
1	**ब्याज आय**	**19150**	**15221**	**3929**	**25.81**
	-अग्रिम	14421	11254	3167	28.14
	-निवेश	4347	3767	580	15.40
	-अन्य	382	200	182	91.00
2	**अन्य आय**	**1395**	**1265**	**130**	**10.28**
	(निवेशों की बिक्री पर लाभ)				
3	**कुल आय (1+2)**	**20545**	**16486**	**4059**	**24.62**
4	**प्रदत्त ब्याज**	**13981**	**9895**	**4086**	**41.29**
	-जमाएं	12996	9063	3933	43.40
	-अन्य	985	832	153	18.39
5	**परिचालन व्यय**	**3749**	**4000**	**-251**	**-6.28**
	-स्थापना	2506	2964	-458	-15.45
	-अन्य	1243	1036	207	19.98
6	**कुल व्यय (4+5)**	**17730**	**13895**	**3835**	**27.60**
7	स्प्रेड (1-4)	5169	5326	-157	-2.95
8	परिचालन लाभ (3-6)	2815	2591	224	8.65
9	प्रावधान-एनपीए/निवेश/अन्य	2169	932	1237	132.73
10	कर के लिए प्रावधान	113	407	-294	-72.24
11	शुद्ध लाभ	533	1252	-719	-57.43

- वर्ष के दौरान, ब्याज आय में 25.81 प्रतिशत की वृद्धि हुई.
- जमाओं पर ब्याज व्यय में 43.40% की वृद्धि के साथ, मार्च 2012 में यह ₹ 12,996 करोड़ हो गया, जो कि गत वर्ष में ₹ 9063 करोड़ था.
- वर्ष के दौरान, कर्मचारियों पर व्यय में ₹ 458 करोड़ की कमी आई और यह गत वर्ष के ₹ 2964 करोड़ से घट कर ₹ 2506 करोड़ हो गया. ऐसा पेंशन प्रावधान की आवश्यकताओं में कमी के कारण हुआ.

3. प्रावधान

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2011-12 के दौरान, लाभ एवं हानि खाते को प्रभारित ₹ 2282 करोड़ के कुल प्रावधान का विस्तृत ब्यौरा निम्नानुसार है :

	(₹ करोड़ में)		
	31.03.2012	**31.03.2011**	**कमी/बढ़ोतरी**
मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	54	106	-52
एनपीए के लिए प्रावधान	1962	632	1330
निवेशों पर अवमूल्यन/प्रावधान	151	154	-3
करों के लिए प्रावधान	113	407	-294
अन्य	2	40	-38
कुल	2282	1339	943